फाइल सं.: 43001/07/2023/एनसीवीईटी/

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्‌यमशीलता मंत्रालय

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद्

चतुर्थ तल, कौशल भवन,

चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110023

दिनांकः 17/09/2024 18

कार्यालय ज्ञापन

विषयः **हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय कौशल विकास और उद्‌यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्‌वारा अपील जारी करना।**

हिंदी दिवस के उपलक्ष में माननीय कौशल विकास और उद्‌यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्‌वारा जारी "अपील" की एक प्रति इस ज्ञापन के साथ आपके अवलोकन हेतु प्रेषित की जा रही है।

एनसीवीईटी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध है कि अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग सुनिश्चित करें।

पूर्णेन्दु कान्त

(पूर्णेन्दु कान्त)
निदेशक (राजभाषा)

सेवा में,

1. वरिष्ठ पी.पी.एस. - अध्यक्ष, एनसीवीईटी।
2. पीए/पीएस - कार्यकारी सदस्य (वी.ए.)/ कार्यकारी सदस्य (एन.पी.), एनसीवीईटी।
3. सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, एनसीवीईटी।

जयन्त चौधरी
Jayant Chaudhary

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge)
Skill Development and Entrepreneurship;
Minister of State for Education
Government of India

सत्यमेव जयते

अपील

जैसा कि सर्वविदित है, हिंदी संघ सरकार की राजभाषा है और 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा इसे संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया था। इसीलिए हर वर्ष 14 सितंबर को देशभर में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। संघ सरकार का यह कर्तव्य है कि वह राजभाषा हिंदी का विकास करे और उसका प्रचार-प्रसार बढ़ाए, जिससे यह भारत की समावेशी संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। इस आशय का उल्लेख हमारे संविधान के अनुच्छेद 351 में भी किया गया है।

हिंदी भाषा राष्ट्रीय पहचान और एकता की मजबूत कड़ी के रूप में लगातार विशेष भूमिका निभाती आ रही है। हमारे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र के नागरिकों को एक मंच पर लाने में हिंदी का संपर्क भाषा के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज हिंदी, विशेषकर मीडिया, सोशल मीडिया, विज्ञापनों, चल-चित्रों आदि विभिन्न संपर्क माध्यमों के द्वारा महत्वपूर्ण मंचों पर प्रतिष्ठा अर्जित करते हुए काफी लोकप्रिय हुई है। भारत की समावेशी संस्कृति, भाषिक धरोहर और सुदृढ़ परंपराओं के मूल स्रोतों को समझने में सक्षम होने के चलते जन-जन द्वारा इसे देश के सभी भागों में आम बोलचाल में भी अपनाया गया है।

मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी (14 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक) हमारे मंत्रालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान मंत्रालय के सभी कार्मिकों में हिंदी के प्रति और अधिक रुचि जगाने तथा उन्हें अपना अधिक-से-अधिक सरकारी काम-काज मूल रूप से हिंदी में करने के प्रति प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस अवसर पर विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं व हिंदी कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा रहा है। आशा है, आप सब इनमें बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी सक्रियता का परिचय देंगे।

मैं समझता हूं कि हमें हिंदी का अपेक्षित प्रयोग किए जाने के लिए संसद द्वारा पारित राजभाषा अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों व समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए और इसके लिए हमें सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग बढ़ाने का भी भरसक प्रयास करना चाहिए। अब कंप्यूटरों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की उपलब्धता के फलस्वरुप हिंदी में कार्य करना पहले से और अधिक सरल हो गया है। यह हर्ष का विषय है कि हमारे यहां सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ता आ रहा है। मुझे विश्वास है कि हम इसे और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर अपना भरसक प्रयास जारी रखेंगे।

मैं हिंदी दिवस-2024 के शुभ अवसर पर मंत्रालय व इसके सभी अधीनस्थ व संबद्ध कार्यालयों तथा संस्थानों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूं कि आप सभी अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करें और अपने सह-कर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करते हुए संघ सरकार की राजभाषा नीति को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। धन्यवाद! **जय हिंद ।**

नई दिल्ली,
दिनांक :11 सितंबर, 2024

(जयन्त चौधरी)

सबको शिक्षा–अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कौशल भारत–कुशल भारत

MSDE-Room No. 201, 2nd Floor, Kaushal Bhawan, New Moti Bagh, New Delhi 110023 Phone : +91-11-26773201
E-mail : minister-msde@gov.in